University in News on 15 October 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पांच ऑनलाइन कोर्सों को मिली यूजीसी से मान्यता

लविवि : बीबीए के अलावा चार विषयों में शुरू होगा परास्नातक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा को लेकर अवसरों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यहां विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सोमवार को पांच ऑनलाइन कोर्स शुरू किए जाने को लेकर अपनी मंजूरी दे दी। इसमें दाखिले के लिए जल्द ही आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

यूजीसी की ओर से जिन पांच कोर्स के लिए मान्यता दी गई है, उसमें स्नातक स्तर पर तीन वर्षीय बीबीए (बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) शामिल है। वहीं परास्नातक स्तर पर संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी व अर्थशास्त्र में एमए का कोर्स शुरू करने की अनुमति दी गई है।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में 15 नवंबर तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इस संबंध में समस्त जानकारी और जरूरी निर्देश वेबसाइट luonlineeducation.in पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

दो कोर्सों में होती है ऑनलाइन पढ़ाई

लविवि में दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत इस समय दो कोर्सों बीकॉम और एमकॉम की पढ़ाई होती है। इसमें इस सत्र के लिए पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं सितंबर में ऑफलाइन मोड में कराई जा चुकी हैं। अब विद्यार्थियों को परिणाम का इंतजार है।

■ **दूरस्थ शिक्षा का इकलौता राज्य विवि** : लखनऊ विवि दूरस्थ शिक्षा के तहत कोर्स शुरू करने वाला राजधानी का पहला और इकलौता शिक्षण संस्थान है। यूजीसी ऑनलाइन कोर्स शुरू करने की अनुमति उन्हीं संस्थानों को देता है, जिन्हें नैक से ए डबल ग्रेड और कैटेगरी वन में शामिल होने का गौरव हासिल होता है।

नए कोर्स की संबद्धता के लिए 15 दिसंबर तक मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने नए महाविद्यालयों के संचालन एवं नए कोर्स की मान्यता देने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसके लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। अंतिम तिथि 15 दिसंबर तय की गई है।

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से रजिस्ट्रार कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार, विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रमों के लिए अनापत्ति प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करने की तिथि 15 दिसंबर है। इसके बाद 15 दिसंबर से 20 जनवरी प्रस्ताव के भूमि संबंधी अभिलेखों का राजस्व विभाग से सत्यापन करवाया जाना है। 31 जनवरी 2025 तक एनओसी जारी की जाएगी। 31 मई तक समस्त प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

लविवि : रैगिंग का आरोपी एक और छात्र निलंबित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में रैगिंग के आरोपी एक और छात्र को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही उसका छात्रावास आवंटन भी निरस्त कर दिया गया है। जांच अवधि तक छात्र के दोनों परिसरों में आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कुलानुशासक कार्यालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी की ओर जारी पत्र में कहा गया है कि बीबीए एनईपी के दूसरे वर्ष का छात्र अनुराग यादव नवीन परिसर में एक छात्र के साथ रैगिंग करने का आरोपी है। पीड़ित छात्र ने उसके खिलाफ यूजीसी के एंटी रैगिंग पोर्टल पर शिकायत भी की थी। आरोपित से घटना के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया था, जिसमें उसके द्वारा बचाव में रखे गए सभी तथ्य भ्रामक व झूठे निकले।

पत्र में कहा गया है कि छात्र को अंतिम तौर पर विवेचना अवधि तक निलंबित किया जाता है। छात्र को तीन दिनों के भीतर कुलानुशासक कार्यालय में इस संबंध में अपना पक्ष रखना होगा कि घटना के संबंध में उसका क्या कहना है। ऐसा न करने पर उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। (संवाद)

एलयू: बीबीए समेत चार कोर्स की ऑनलाइन पढ़ाई होगी

03 वर्षीय बीबीए और दो साल के कई एमए कोर्स शामिल

■ संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र व अंग्रेजी के ऑनलाइन कोर्स को मंजूरी

फ्रांस के प्रोफेसर ने नैनो फॉर्मूलेशन पर चर्चा की

एलयू के भेषजिक विज्ञान संस्थान में एमिनेट लेक्चर सीरीज के तहत बेव-टू-बेडसाइड ट्रांसलेशन ऑफ नैनोपार्टिकल्स इन ऑन्कोलॉजी: इनड्रीमरस्काई स्टडीज, रियलिटी और यूटोपिया विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता फ्रांस के प्रोफेसर सर्ज मिगनानी रहे। उन्होंने प्राक्टिकल डेंड्रिमर्स (109 नैनोमीटर से 0.1 नैनोमीटर), कार्बनिक और अकार्बनिक नैनोकणों से सेंसर बेरेथी के लिए नैनोफॉर्मूलेशन के संभावित लाभों के बारे में चर्चा की और फॉस्फोरस डेंड्रिमर्स की रासायनिक संरचना का वर्णन किया जो जटिल दवाओं के फार्माकोकाइनेटिक्स, फार्माकोडायनामिक्स और फॉस्फोरस डेंड्रिमर्स की रासायनिक विविधता में सुधार करता है। व्याख्यान के पश्चात प्रो.मिगनानी ने छात्र-छात्राओं के साथ विषय के परिपेक्ष्य में संवाद किया और उनके प्रश्नों का यथोचित उत्तर दिया। छात्रों ने फास्फोरस डेनड्रीमर्स और उसके महत्व के बारे में प्रश्न पूछे और उनकी थेरेपी को जाना। प्रो.मिगनानी 14-18 अक्टूबर तक संस्था में अथिति प्रोफेसर के रूप में रहेंगे। कार्यक्रम में प्रो.आरपी त्रिपाठी, सीनियर मुख्य साइंटिस्ट, सीडीआरआई -सीएसआई आर, लखनऊ का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रो.पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी, निदेशक, भेषजिक विज्ञान संस्थान ने बताया की छात्र इस प्रकार के आयोजन से प्रोत्साहित होते है तथा नवाचार के लिए प्रेरित होते है।

JAGRAN CITY PAGE III

पांच नए कोर्सों को यूजीसी से मिली अनुमति

बीबीए, पालिटिकल साइंस, संस्कृत, अंग्रेजी व अर्थशास्त्र के शुरू होंगे आनलाइन कोर्स

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सत्र 2024-25 के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को आनलाइन माध्यम से पांच पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति दे दी है। इनमें स्नातक स्तर पर बीकॉम और परास्नातक के एमए कोर्स शामिल हैं। जल्द ही इनमें आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। इन कोर्सों में बीए पाठ्यक्रम भी शामिल है।

इलीन ग्रोवास्तव ने बताया कि आनलाइन बीबीए कोर्स तीन वर्ष (छह सेमेस्टर) और एमए के कोर्स दो वर्ष (चार सेमेस्टर) की अवधि के हैं। 15 नवंबर तक इन कोर्सों की प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। विस्तृत जानकारी जल्द ही वेबसाइट www.luonlineeducation.in पर मिलेगी।

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने निर्देश जारी किए हैं कि प्रस्तावित नवीन महाविद्यालय एवं पूर्व संचालित महाविद्यालयों में नए कोर्स की एनओसी के लिए अनिवार्य रूप से पोर्टल फरवरी तक अपील की जा सकेगी। शासन स्तर पर इसके निस्तारण की तारीख 20 फरवरी निर्धारित की गई है। निरीक्षण मंडल की ओर से पांच अप्रैल तक निरीक्षण आख्या प्रस्तुत करनी होगी। 20 अप्रैल तक लखनऊ विश्वविद्यालय आनलाइन संबद्धता देगा।

31 जनवरी तक मिलेगी नए पाठ्यक्रमों को एनओसी

पोर्टल से करें आवेदन

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने निर्देश जारी किए हैं कि प्रस्तावित नवीन महाविद्यालयों एवं पूर्व संचालित महाविद्यालयों में नए कोर्स की एनओसी के लिए अनिवार्य रूप से पोर्टल के माध्यम से आनलाइन शिक्षण प्रक्रिया शुरू करने होंगे। इसके लिए 20 अप्रैल तक विश्वविद्यालय आनलाइन संबद्धता देगा।

■ **संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र व अंग्रेजी के ऑनलाइन कोर्स को मंजूरी**

■ **पोर्टल से करें आवेदन** : पोर्टल पर अपनी एबीसी और डीईबी आईडी बनानी होगी। उसके बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में आवेदन किए जा सकेंगे। जल्द ही आवेदन शुल्क सहित पूरा विवरण जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जो अभ्यर्थी रेगुलर रूप से विश्वविद्यालय नहीं आ सकते, उनके लिए यह प्रोग्राम अच्छा है। नवंबर में प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही कक्षाएं भी शुरू हो जाएंगी।

महिला अध्ययन में भी कर सकेंगे पीएचडी

जासं ● लखनऊ : लंबे के महिला अध्ययन संस्थान की रजत जयंती (2024-25 के सत्रांतर के लिए) अनापत्ति प्रस्ताव ऑनलाइन जमा किए गए प्रस्तावों के भूमि संबंधी अभिलेखों का राजस्व विभाग से सत्यापन 15 दिसंबर से 20 जनवरी तक होगा। अनापत्ति आदेश आनलाइन माध्यम से 31 जनवरी तक जारी किए जाएंगे। (संवाद)

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि को पांच नए कोर्स की मान्यता

15 नवंबर तक पूरी की जानी है सभी नए कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के पांच नए पाठ्यक्रमों के ऑनलाइन संचालन की संस्तुति प्राप्त हो गई है। जिनमें स्नातक स्तर पर बीबीए व परास्नातक विषयों में संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी शामिल है। बीबीए पाठ्यक्रम तीन वर्ष (6 सेमेस्टर) का और परास्नातक पाठ्यक्रम दो वर्ष (4 सेमेस्टर) की अवधि के हैं।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 15 नवंबर तक पूर्ण की जानी है। इसके बारे में लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर समस्त जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में सत्र 2023-24 से आनलाइन शिक्षण प्रक्रिया प्रारंभ कर चुका है। 2023-24 के लिए फरवरी 2024 से बीकॉम व एमकॉम पाठ्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से संचालित हो रहे हैं। इस सत्र के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी सितंबर 2024 में आफ लाइन संपन्न करवाई जा चुकी हैं।

पर समस्त जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में सत्र 2023-24 से आनलाइन शिक्षण प्रक्रिया प्रारंभ कर चुका है। 2023-24 के लिए फरवरी 2024 से बीकॉम व एमकॉम पाठ्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से संचालित हो रहे हैं। इस सत्र के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी सितंबर 2024 में आफ लाइन संपन्न करवाई जा चुकी हैं।

कॉलेजों को मान्यता के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने नए महाविद्यालयों और पूर्व संचालित महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 में नए पाठ्यक्रमों के अनापत्ति और सहयुक्तता के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। 10 से 15 अक्टूबर तक आनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। 15 दिसंबर से 20 जनवरी तक भू संबंधित सत्यापन जिलाधिकारी के माध्यम से कराया जाएगा। 31 जनवरी तक अनापत्ति आदेश निर्गत किया जाएगा। विवि के निर्णय के खिलाफ शासन में अपील करने की अंतिम तिथि 10 फरवरी है। इसके निस्तारण की अंतिम तिथि 20 फरवरी तय की गई है। निरीक्षण मंडल का गठन 5 मार्च, निरीक्षण आख्या 5 अप्रैल तक जमा होंगे। विवि की ओर से संबद्धता ऑनलाइन प्रदान करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल है। संबद्धता न मिलने पर शासन में अपील करने की अंतिम तिथि 10 मई है, जबकि शासन स्तर से निस्तारण की अंतिम तिथि 31 मई निर्धारित किया गया है।

रैगिंग करने वाले छात्र का हुआ विवि से निलंबन

अमृत विचार, लखनऊ : रैगिंग के दोषी पाए गए बीबीए के छात्र को लखनऊ विवि ने निलंबित कर दिया है। विश्वविद्यालय के द्वितीय कैंपस में एक छात्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर रैगिंग की शिकायत की थी। जांच में बीबीए का छात्र अनुराग दोषी पाया गया है। उसे छात्रावास और परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

i-NEXT PAGE 4

एलयू में अब पांच और नए कोर्स की पढ़ाई ऑनलाइन

GOOD NEWS पांच आनलाइन कोर्सों को यूजीसी से मिली मंजूरी

LUCKNOW (14 OCT): विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सत्र 2024-25 के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को आनलाइन माध्यम से पांच कोर्स चलाने की की अनुमति दे दी है. इनमें यूजी स्तर पर बीबीए और पीजी के एमए पालिटिकल साइंस, एमए संस्कृत, एमए अंग्रेजी और एमए इकोनामिक्स कोर्स शामिल हैं. जल्द ही इनमें आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी. इन कोर्सों में भी आनलाइन माध्यम से ही पढ़ाई होगी.

विधिक केंद्र को दिल्ली में दिया गया सम्मान

एलयू के विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र को सामाजिक न्याय और कानूनी सहायता में उत्कृष्ट योगदान के लिए, प्रतिष्ठित नालेज स्टीज एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया. यह सम्मान 13 अक्टूबर को नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी आफ इंटरनेशनल ला में आयोजित 13वें इंटरनेशनल कान्फ्रेंस आन ह्यूमन राइट्स एंड जेंडर जस्टिस के तहत दिया गया.

वेबसाइट पर जानकारी

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बीते फरवरी में सत्र 2023-24 से बीकाम और एमकाम से आनलाइन कोर्सों की शुरुआत की थी. इसके पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं भी हो चुकी हैं. अब वर्तमान सत्र से पांच और नए कोर्स का संचालन शुरू होगा. प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आनलाइन बीबीए कोर्स तीन वर्ष (छह सेमेस्टर) और एमए के कोर्स दो वर्ष (चार सेमेस्टर) की अवधि के हैं. 15 नवंबर तक इन कोर्सों की प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी. विस्तृत जानकारी जल्द ही वेबसाइट www.luonlineeducation.in पर मिलेगी.

बनानी होगी एबीसी आईडी

लखनऊ यूनिवर्सिटी सेंटर फार आनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन के निदेशक प्रो. पियूष भार्गव ने बताया कि इन नए कोर्सों में प्रवेश के लिए भी अभ्यर्थियों को डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो (डीईबी) पोर्टल पर अपनी एबीसी और डीईबी आईडी बनानी होगी. उसके बाद एलयू में आवेदन किए जा सकेंगे. जल्द ही आवेदन शुल्क सहित पूरा विवरण जारी किया जाएगा. उन्होंने बताया कि जो अभ्यर्थी रेगुलर रूप से विश्वविद्यालय नहीं आ सकते, उनके लिए यह प्रोग्राम अच्छा है. नवंबर में प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही कक्षाएं भी शुरू हो जाएंगी.

31 जनवरी तक नए कोर्सों को एनओसी

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने जारी किया नोटिफिकेशन

20 अप्रैल तक विश्वविद्यालय आनलाइन संबद्धता देगा.

15 दिसंबर निर्धारित की है अनापत्ति प्रस्ताव आनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि

LUCKNOW (14 OCT): लखनऊ विश्वविद्यालय ने नए सत्र 2025-26 में नए पाठ्यक्रमों एवं विषयों (बीएड को छोड़कर) के संचालन के लिए अनापत्ति एवं सहयुक्तता के लिए, समय सारिणी सोमवार को जारी की. विश्वविद्यालय ने नए पाठ्यक्रमों के लिए अनापत्ति प्रस्ताव आनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर निर्धारित की है. विश्वविद्यालय में आनलाइन जमा किए गए प्रस्तावों के भूमि संबंधी अभिलेखों का राजस्व विभाग से सत्यापन 15 दिसंबर से 20 जनवरी तक होगी. अनापत्ति आदेश आनलाइन माध्यम से 31 जनवरी तक जारी किए जाएंगे.

आनलाइन संबद्धता

आनलाइन आपत्ति पर लिए गए निर्णय के खिलाफ शासन में 10 फरवरी तक अपील की जा सकेगी. शासन स्तर पर इसके निस्तारण की तारीख 20 फरवरी निर्धारित की गई है. निरीक्षण मंडल की ओर से 5 अप्रैल तक निरीक्षण आख्या प्रस्तुत करनी होगी. 20 अप्रैल तक लखनऊ विश्वविद्यालय आनलाइन संबद्धता देगा. (संवाद)

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि में व्याख्यान का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। भेषजिक विज्ञान संस्थान,लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के नेतृत्व में एमिनेंट लेक्चर सीरीज के तहत प्रो.सर्ज मिगनानी, फ़ंगल, पुर्तगाल, फ्रांस में मदीरा विश्वविद्यालय के सेंट्रो डी क्रिमिका दा मदीरा ने बेंच-टू-बेडसाइड ट्रांसलेशन ऑफ़ नैनोपार्टिकल्स इन ऑन्कोलॉजी: डेनड्रीमरस्कसे स्टडीज, रियलिटी और यूटोपिया विषय पर व्याख्यान दिया। उनकी अनुसंधान टीम कार्यवाई के मूल तंत्र के साथ नए अवसादरोधी, एंटी-इस्केमिक, एंटी-एचआईवी, एंटी-डायबिटिक, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-ट्यूमर एजेंटों की तैयारी में क्रमिक रूप से शामिल रही है। उनकी टीमों द्वारा दस से अधिक नयी क्लीनिकल दवाईयों पर शोध किया गया है। कार्यक्रम में बी.फार्मा के 105 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रो.सर्ज मिगनानी ने बताया कि कुछ प्राकृतिक डेंड्रिमर्स, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनोकणों से उन्होंने कैंसर थेरेपी के लिए नैनोफॉर्मूलेशन के संभावित लाभों के बारे में चर्चा की और फॉस्फोरस डेंड्रिमर्स की रासायनिक संरचना का वर्णन किया जो जटिल दवाओं के फार्माकोकाइनेटिक्स, फार्माकोडायनामिक्स और फॉस्फोरस डेंड्रिमर्स की रासायनिक विविधता में सुधार करता है। व्याख्यान के पश्चात प्रो.मिगनानी ने छात्र-छात्राओं के साथ विषय के परिपेक्ष्य में संवाद किया और उनके प्रश्नों का यथोचित उत्तर दिया। छात्रों ने फास्फोरस डेनड्रीमर्स और उसके महत्व के बारे में प्रश्न पूछे और उनकी थेरेपी को जाना। प्रो.मिगनानी 14-18 अक्टूबर तक संस्था में अथिति प्रोफेसर के रूप में रहेंगे। कार्यक्रम में प्रो.आरपी त्रिपाठी, सीनियर मुख्य साइंटिस्ट, सीडीआरआई -सीएसआई आर, लखनऊ का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रो.पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी, निदेशक, भेषजिक विज्ञान संस्थान ने बताया की छात्र इस प्रकार के आयोजन से प्रोत्साहित होते है तथा नवाचार के लिए प्रेरित होते है।

विधिक सहायता केंद्र को नॉलेज स्टीज एक्सीलेंस अवार्ड

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र को सामाजिक न्याय और कानूनी सहायता में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित नॉलेज स्टीज एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। उक्त सम्मान रविवार को नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ में आयोजित 13वें इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन ह्यूमन राइट्स एंड जेंडर जस्टिस के तहत दिया गया। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार में विधिक सहायता केंद्र ने 31 से अधिक प्रतिभागी कॉलेजों में से पहले 5 में अपनी जगह बनाई। यह उपलब्धि विधिक सहायता केंद्र की समर्पित टीम और उनके निष्ठावान प्रयासों का परिणाम है, जो निरंतर सामाजिक न्याय और कानूनी सहायता के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत हैं। यह सम्मान विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो.बीडी सिंह, विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ.अभिषेक कुमार तिवारी तथा प्रो-बोनो क्लब के अध्यक्ष डॉ.आलोक कुमार यादव के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से सफलतापूर्वक प्राप्त हुआ।

PIONEER PAGE 3

एलयू के पांच कोर्सों को यूजीसी ने दी मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की तरफ से लखनऊ विश्वविद्यालय के पांच नए पाठ्यक्रमों के ऑनलाइन संचालन की संस्तुति प्राप्त हो गई है। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक स्तर पर बीबीए तथा परास्नातक विषयों में संस्कृत , राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी शामिल है। बीबीए पाठ्यक्रम 3 वर्ष (6 सेमेस्टर) का तथा शेष परास्नातक पाठ्यक्रम 2 वर्ष (4 सेमेस्टर) की अवधि के हैं। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 15 नवंबर तक पूर्ण की जानी है। इस संबंध में प्रक्रिया शीघ्र आरंभ होने वाली है। इस संबंध में वेबसाइट पर समस्त जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। बता दें कि 2023-24 के लिए फरवरी 2024 से बीकॉम तथा एमकॉम पाठ्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से संचालित हो रहे है। इस सत्र के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी सितंबर 2024 में आफलाइन संपन्न करवाई जा चुकी हैं।

एलयू के विधि संकाय को मिला नॉलेज स्टीज एक्सीलेंस अवार्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

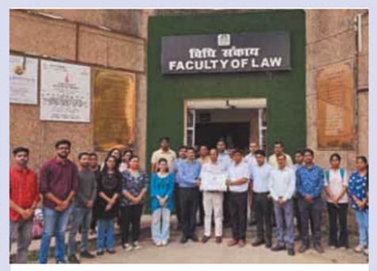

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र को सामाजिक न्याय और कानूनी सहायता में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित नॉलेज स्टीज एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान एक दिन पूर्व नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ में आयोजित 13वें इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन ह्यूमन राइट्स एंड जेंडर जस्टिस के तहत दिया गया। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार में, विधिक सहायता केंद्र ने 31 से अधिक प्रतिभागी कॉलेजों में से पहले 5 में अपनी जगह बनाई। यह उपलब्धि विधिक सहायता केंद्र की समर्पित टीम और उनके निष्ठावान प्रयासों का परिणाम है, जो निरंतर सामाजिक न्याय और कानूनी सहायता के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत हैं। यह सम्मान विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो.(डॉ) बी डी सिंह, विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी तथा प्रो-बोनो क्लब के अध्यक्ष डॉ.आलोक कुमार यादव के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से सफलतापूर्वक प्राप्त हुआ। उपलब्धि है, जो कानूनी शिक्षा और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर संकाय के तमाम शिक्षक उपस्थित रहे। पूरा विवि परिसर कानून की छात्रा अंशुल सेमवाल ने बताया कि वर्ष 2023-24 के लिए एनएलयू आदरी पासवर्ड के साथ इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

अवार्ड दिखाते विधि विभाग के छात्र, साथ में शिक्षक। अमृत विचार

विधि विभाग को मिला नॉलेज एक्सीलेंसी अवार्ड

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार, लखनऊ : विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र को सामाजिक न्याय और कानूनी सहायता में उत्कृष्ट योगदान के लिए नॉलेज स्टीज एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 13 अक्टूबर को नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ में आयोजित 13वें इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन ह्यूमन राइट्स एंड जेंडर जस्टिस के तहत दिया गया।

इस प्रतिष्ठित पुरस्कार में विधिक सहायता केंद्र ने 31 से अधिक प्रतिभागी कॉलेजों में से पहले पांच में जगह बनाई। सम्मान विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह, विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी व प्रोबोनो क्लब के अध्यक्ष डॉ आलोक कुमार यादव के मार्गदर्शन से सफलता प्राप्त हुई।

लविवि में व्याख्यान का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भेषजिक विज्ञान संस्थान में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के नेतृत्व में एमिनेंट लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया। प्रो सर्ज मिगनानी, फंगल, पुर्तगाल, फ्रांस में मदीरा विश्वविद्यालय के सेंट्रो डी क्रिमिका दा मदीरा ने बेंच-टू-बेडसाइड ट्रांसलेशन ऑफ नैनोपार्टिकल्स इन ऑन्कोलॉजी: डेनड्रीमरस्कसे स्टडीज, रियलिटी और यूटोपिया विषय पर व्याख्यान दिया। उनकी अनुसंधान टीम कार्यवाई के मूल तंत्र के साथ नए अवसादरोधी, एंटी-इस्केमिक, एंटी-एचआईवी, एंटी-डायबिटिक, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-ट्यूमर एजेंटों की तैयारी में क्रमिक रूप से शामिल रही है। उनकी टीमों द्वारा दस से अधिक नयी क्लीनिकल दवाईयों पर शोध किया है। बीफार्मा के 105 छात्र छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया। प्रो. सर्ज मिगनानी ने बताया कि कुछ प्राकृतिक डेंड्रिमर्स की छात्र इस प्रकार के आयोजन से प्रोत्साहित होते है तथा नवाचार के लिए प्रेरित होते है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि को मिला प्रतिष्ठित नॉलेज स्टीज एक्सीलेंस अवार्ड

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र को सामाजिक न्याय और कानूनी सहायता में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित नॉलेज स्टीज एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 13 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ में आयोजित 13वें इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन ह्यूमन राइट्स एंड जेंडर जस्टिस के तहत दिया गया।

इस प्रतिष्ठित पुरस्कार में, विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी तथा प्रो-बोनो क्लब के अध्यक्ष डॉ आलोक कुमार यादव के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से सफलतापूर्वक प्राप्त हुआ। यह सम्मान नैकवल विधिक केंद्र की उपलब्धि है, बल्कि लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर संकाय के तमाम शिक्षक उपस्थित रहे। पूरा विवि परिसर कानून की छात्रा अंशुल सेमवाल ने बताया कि वर्ष 2023-24 के लिए एनएलयू आदरी पासवर्ड के साथ इसे डाउनलोड कर सकते हैं। यह दिन पुरस्कार विजेता की 51 हजार, द्वितीय की 31 हजार व तृतीय की 21 हजार रुपये दिए जाएंगे।

HT PAGE 3

LU to issue 'treasures' from '30s

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Some of the 2000 books added to Lucknow University century-old Tagore Library a few years after it was established, may soon become accessible to students again.

Dubbed 'the Banerjee collection' for they were gifted by DN Banerjee—who, many believe, was a professor in the university and an art connoisseur—in the 1930s, the impressive range of books are resting in the stack room of the library.

Honorary librarian, Keya Pandey said the collection was meant to help poor students. New books were added to the collection year after year till they were no longer fit for use.

"The collection of textbooks cover a range of subjects. Now, we are getting some of them refurbished and planning to make them available to students," said Pandey.

Some of the books that are part of the collection are 'The Holy Roman Empire' by James Viscount Bryce and published in 1928, 'The Way of Peace' by Viscount Cecil, and a few volumes of Patanjali's Mahabhashya.

"There are over 2000 books which are presently part of the Banerjee collection. Some of them may soon be added to the existing reference section of the library. Banerjee also donated some rare paintings from Jaipur school to the Tagore library," said Pandey.

A rare book from the collection HT PHOTO

TOI PAGE 3

After UGC nod, LU to offer 5 new courses in online mode

Admission To Be Completed By Nov 15

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University will offer online Bachelor of Business Administration (BBA), Master of Arts (MA) in Sanskrit, Political Science, Economics, and English.

The University Grants Commission (UGC) on Monday granted permission to LU to offer five additional courses in the online mode.

The university started BCom, MCom, and MBA in the online mode from the academic session 2024-25. The online course degrees will be equivalent to their respective regular degrees.

"We will shortly open the admission window for the new online courses. The admission process for these courses must be completed by Nov 15. All relevant information will be made available on the website www.luonlineeducation.in," said varsity spokesperson Durgesh Srivastava.

He said the BBA course consists of six semesters (three years), while MA courses comprise four semesters (two years). All study materials will be accessible to students online, and their queries will be addressed by mentors. Students will be required to visit the campus only once for the semester examination.

"The advantage of introducing full-time courses in the online mode is that students can pursue the course from any part of the country. Furthermore, this benefits several working professionals, students from humble backgrounds, and those who cannot leave their villages and districts to attend regular classes," he added.

LU has already initiated the online teaching process through the Lucknow University Centre for Online and Distance Education (LUCODE) from the 2023-24 session. BCom and MCom courses have been conducted through the online medium since February 2024. The examinations for the first semester of this session were completed in offline mode last month.

LU's Legal Aid Centre of faculty of law bagged the 'Knowledge Steez Award of Excellence'

LU centre bags award for social justice and legal aid

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Legal Aid Centre of the faculty of law in Lucknow University bagged the 'Knowledge Steez Award of Excellence' for the contributions in social justice and legal aid on Monday. The award recognises the centre's efforts in the field of legal social service, promoting equal access to justice. The award was presented at the 13th International Conference on Human Rights and Gender Justice, held at the Indian Society of International Law, New Delhi.

The Legal Aid Centre secured the 5th position among more than 31 participating colleges, marking a significant achievement in advancing legal literacy and free legal aid. The centre's efforts reflect its unwavering commitment to fostering socially responsible citizens and ensuring justice for all, officials said. "This award is a testament to the relentless dedication of our Legal Aid Centre in promoting social justice and legal awareness. It reflects our collective commitment to ensuring that every individual, regardless of their background, has equal access to legal resources and support. We will continue to strive for a more just and equitable society," said dean, faculty of law, BD Singh.